दिनांक 6 नवम्बर, 1986

सं. श्रो. वि. एफ०डी०/81-86/41658.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० बोनी रब्बड़ कम्पनी श्रा० लि०, 9-ई, सैक्टर 6, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री मुहम्मद करुस, पुत्र मयनुदीन मियां, गांव खजुहरी, डा० खजुहरी, जिला गोपालगंज, (बिहार) तथा प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चं कि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्याय ने गंग हेत् निदिष्ट करता वाछ ताय समझते हैं ;

इसलिये ग्रव, श्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गईं शिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उकत श्रधिनियम की धारा 7 क के श्रधीन गठित श्रौद्योगिक श्रधिकरण हरियाणा फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्याप्रतिर्गय एवं पंचाद तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :--

क्या श्री मुहम्मद करूस की सेवाओं का समापन न्यायोजित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं ग्रोविव /एफव्डीव / 81-86/41665. — चंकि हरियाणा के राज्यपाल की रायं है कि मैंव बोनी रब्बड़ कम्पनी प्राव्ह लिब, 9-ई सैक्टर 6, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री लाल बाबू सिंह, पुत्र श्री होती राम, मकान नंव 2115, सैक्टर 8, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतुं निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, ग्रबं, ग्रीद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गर्ड शिवितयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उकत श्रधिनियम, की धारा 7 क के श्रधीन गठित ग्रोद्योगिक श्रधिकरण हरियाणा फरीदावाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं ग्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देते हैंतु निर्दिश्य करते हैं :--

क्या श्री लाल बाबू की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं श्रो विव /एफ बी । 41672 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राम है कि मैं बोनी रहबड़ कम्पनी प्राठ लिं , 9-ई, सैक्टर 6, फरीदाबाद, के श्रीमिक श्री केंशवर यादव, पुत जानकी यादव, गांव जुरार रमत, डा० भन्तुग्रनी, जिला देवरिया (उत्तर प्रदेश) तथा उत्तके प्रवन्यकों के मध्य इस में इस कें]बाद लिखित मामलें में कोई ग्रौ बोगिक विवाद है;

ग्रीर वृंति हरियाणा के राज्यसात इस विश्वाद को त्यासिर्गय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इंसलिए, ग्रव, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त ग्रधिनियम की धारा 7 क के ग्रधीन गठित ग्रौद्योगिक ग्रिधिवरण हरियाणां फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं ग्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्गय एवं गंबाट तोत मास में देते हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या थी केश्वर यादव की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. ग्रो.वि./एफ०डी०/81-86/41679. च्यूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० बोनी रब्बड़ कम्पनी प्रा० लिं०, 9-ई, सैबटर, 6, फरीदाबाद, के श्रियिक श्री सौक्त ग्रली, पुल मु० सरीख, ग्राम बालहा, डा० पड़ीत रामपुर, ज़िला सिवान (बिहार) तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

श्रोर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद प्रधिनियम 1947 की धारा 10 की उप धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई श्रावितयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रधिनियम की धारा 7 क के ग्रधीन गठित ग्रौद्योगिक ग्रधिकरण हरियाणा फरीदाबाद को नीचे विनिदिस्ट मामले जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं ग्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं त्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिण्ट करते हैं :—

क्या श्री सौक्त ग्रली की सेवाग्रें का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

ग्रार० एस० ग्रग्नवाल, उप सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम विभाग।